दिनांक : . .२०१९

प्रति,

मा. केंद्रीय गृहमंत्री,

भारत सरकार, नई देहली.

विषय : हिन्दुओं के धार्मिक उत्सवों पर जानबूझकर पथराव कर हिंसा करानेवाले तथा सामाजिक सौहार्द को बिगाडनेवाले धर्मांधों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने के संदर्भ में....

महोदय,

आज भारत देश को स्वतंत्रता मिलने के ७२ वर्ष पश्चात भी हिन्दुओं के उत्सवों पर धर्मांधों द्वारा किए जानेवाले पथराव, दंगे और आक्रमण सामान्य घटनाएं बन गई हैं । हाल ही में बडे उत्साह के साथ संपन्न हिन्दुओं के नवरात्रोत्सव में श्री दुर्गा विसर्जन की शोभायात्राओं पर देश के विविध राज्यों में पथराव किए गए, साथ ही हिंसा की भी घटनाएं हुईं । महान भारतीय संस्कृति सर्वसमावेशी होने से उसने भारत पर आक्रमण करनेवाले आक्रमणकारियों को भी समाज में समान लेकर संसार को विश्वबंधुत्व का संदेश दिया; किंतु उन आक्रमणकारियों के वंशज आज भी स्वयं की कट्टरतावादी धर्मांध मानसिकता छोडने के लिए तैयार नहीं हैं । इसके कारण देश में निरंतर इस प्रकार की अप्रिय घटनाएं हो रही है और हिन्दुओं द्वारा बनाकर रखे गए सामाजिक सौहार्द को बिगाडने का प्रयास किया जा रहा है । अतः आज समाजस्वास्थ्य को टिकाए रखने हेतु इस प्रकार की धर्मांध प्रवृत्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की नितांत आवश्यकता है ।

इस परिप्रेक्ष्य में हम कुछ घटनाओं की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं ...

१. उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में श्रीदुर्गा विसर्जन शोभायात्रा जब मस्जिद के पास से जा रही थी, तब ध्वनियंत्र बंद नहीं किए; केवल इस कारण धर्मांधों ने हिन्दुओं की शोभायात्रा पर बडे-बडे पत्थर फेंककर शोभायात्रा में सहभागी हिन्दुओं को घायल कर दिया । बलरामपुर के पुलिस अधिकारियों की दी गई जानकारी के अनुसार इस मस्जिद के पास कुछ धर्मांधों का समूह पहले से ही पत्थर और ईंटें लेकर आक्रमण के लिए तैयार खडा था । जब शोभायात्रा वहां पहुंची, तब उन्होंने पथराव करना आरंभ किया ।

२. उत्तर प्रदेश की बस्ती जनपद में नवरात्रोत्सव में श्री दुर्गा विसर्जन के मार्ग पर बडी मात्रा में मांस के टुकडे रखे गए थे । उससे वहां विवाद उत्पन्न होकर हिंसक घटनाएं हुईं । इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के ही गोरखपुर में भी श्री दुर्गा विसर्जन के मार्ग पर मांस के टुकडे रखे जाने से तनाव उत्पन्न हुआ ।

३. बिहार राज्य के जहानाबाद जनपद में भी नवरात्रोत्सव में श्री दुर्गा विसर्जन शोभायात्रा पर मस्जिद की दिशा से बडी मात्रा में पथराव किया गया, जिसमें १४ हिन्दू घायल हुए । इस प्रकरण में कुछ लोगों को बंदी बनाया गया है और स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है ।

४. अरुणाचल प्रदेश के डोईमुख पूजा मंडल के नवरात्रोत्सव में दंगाईयों ने दुर्गादेवी की मूर्तियों के मस्तक तोड दिए । मध्यरात्रि में घटित इस घृणित घटना के कारण वहां तनाव का वातावरण बना था ।

५. असम के बारपेट में रफीकुल अली नामक व्यक्ति ने श्री लक्ष्मीदेवी की मूर्ति को आग की ज्वालाओं पर रखा, साथ ही मूर्ति पर चढाए हुए आभूषणों की चोरी की और तत्पश्चात, 'आनेवाली दीपावली में लक्ष्मीपूजन न करें', वहां यह पत्रक लगाया । इस व्यक्ति ने इससे पहले भी कई हिन्दुओं को कष्ट पहुंचाने का प्रयास किया था ।

यहां प्रातिनिधिक रूप में इन घटनाओं की जानकारी दी गई है; किंतु इस प्रकार की हिंसक घटनाएं करानेवाले जिहादी मानसिकतावाले धर्मांधों से कानून और व्यवस्था को खतरा उत्पन्न हुआ है । त्योहार-उत्सवों के समय में केवल उत्तर प्रदेश, बिहार एवं अरुणाचल प्रदेश, इन राज्यों में ही ऐसी घटनाएं नहीं हुई हैं, अपितु पश्चिम बंगाल, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी ऐसी कई घटनाएं हुई हैं । इससे यह शंका उत्पन्न होती है कि हिन्दुओं के त्योहार-उत्सवों की कालवधि में यह कोई सामाजिक सौहार्द बिगाडने का षड्यंत्र तो नहीं है ?

*** इससे हम निम्नांकित सूत्रों की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं ...**

१. हिन्दुओं के उत्सवों पर इस प्रकार के पथराव की घटनाएं अकस्मात नहीं होतीं अथवा उसका कोई तात्कालीन कारण भी नहीं होता, अपितु धर्मांध एवं कट्टरतावादी समूहों द्वारा योजनाबद्ध पद्धति से हिन्दू समाज के विरुद्ध पुकारा गया एक शीतयुद्ध ही है ।

२. देशभर में इस प्रकार से सहिष्णु हिन्दू समाज पर आक्रमण कर हिन्दुओं को निरंतर आतंक की छाया में रखना, हिन्दुओं को उनके उत्सव मनाने से रोकना, हिन्दुओं की हत्याएं करना, हिन्दुओं का धर्मांतरण करवाना, हिन्दुओं की भूमि हडप लेना आदि दुष्कृत्य किए जा रहे हैं ।

३. कई बार पुलिस प्रशासन द्वारा की गई जांच में ऐसी घटनाओं को अंजाम देने में मस्जिदों एवं मदरसों से धर्मांध मौलवी अथवा धर्मगुरुओं द्वारा विषाक्त विचार प्रसारित किए जा रहे हैं और उससे प्रेरित होकर धर्मांध ऐसे कृत्य कर रहे हैं, यह वास्तविकता सामने आई है । ऐसे कृत्य करनेवाले धर्मांधों को आगे जाकर हिंसक घटनाएं, बलात्कार, सांप्रदायिक दंगें और आतंकी गतिविधियां करने के लिए सिद्ध किया जाता है । उसके पश्चात ऐसे धर्मांधों को आतंकी प्रशिक्षण हेतु छिपाकर पाकिस्तान भेजा जाता है और उसी से विशिष्ट आतंकी अथवा कट्टरतावादी संगठन खडे किए जाते हैं ।

४. ऐसी घटनाओं में घुसपैठिए बांग्ला देशी और म्यानमार से आए हुए रोहिंग्या मुसलमानों का बडी मात्रा में उपयोग किया जाता है ।

*** हम आपसे ये मांगें करते हैं कि ...**

१. केंद्र शासन इन घटनाओं का संज्ञान लेकर इन प्रकरणों का 'राष्ट्रीय अन्वेषण विभाग' की ओर से व्यापक अन्वेषण करे ।

२. धर्मांधों के इस तंत्र को नष्ट करने हेतु एक क्रियायोजना बनाकर दोषियों के विरुद्ध अति कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए ।

३. ऐसी घटनाओं को रोकने हेतु प्रत्येक राज्य के संवेदनशील जनपद एवं क्षेत्रों की सूची बनाकर आपराधिक पृष्ठभूमिवाले धर्मांधों के विरुद्ध हिन्दुओं के त्योहार-उत्सवों से पहले ही कठोर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए ।

४. ऐसी घटनाओं में सहभागी मौलवी अथवा धर्मगुरुओं की व्यापक जांच कर उनके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जाए ।

५. ऐसी घटनाओं को रोकने हेतु 'विशेष कानून' पारित कर धर्मांध मानसिकतावाले गुंडों को समाज हित के लिए आजन्म कारावास का दंड दिया जाए ।

आपके विनम्र,

संपर्क :

प्रतियां :

१. मा. मुख्यमंत्री, (संबंधित राज्य का नाम लिखें ।)

२. मा. मुख्य सचिव, (संबंधित राज्य का नाम लिखें ।)